ओ सांवरे | by Atul Srigiri

सुबह शाम मैं नाम जपता खाटू श्याम का नाम रटता
ओ सांवरे सांवरे ओ सांवरे
सुबह शाम मैं नाम जपता खाटू श्याम का नाम रटता
तू ही मेरा जीवन है तू ही है कर्ता धर्ता
ओ सांवरे सांवरे ओ सांवरे

मस्त मलंग होके मैं आऊं तेरे दर पे खाटू
हाथ जो तेरा मेरे सर पे हारूँ कैसे खाटू
नाचूंगा गाऊंगा जय जयकार लगाऊंगा
बाबा तेरी वीर कथा मैं सबको सुनाऊंगा
ओ सांवरे सांवरे ओ सांवरे

बिन बोले ही जाने बाबा मन की बातें सारी
लेता है परीक्षा तो भक्तों की बारी बारी
भरता है झोली जो करता काम नेक अनेक
प्रेम भाव का प्यासा मेरा खाटूवाला सेठ
ओ सांवरे सांवरे ओ सांवरे

तीन बाणधारी वाला अचूक है तेरी बाणे
लक्ष्य पूरा करके वापस तरकश में आना जाने
ऐसा शक्तिशाली चमत्कारी दानी मेरा बाबा
हारे का सहारा कहलाता है मेरा बाबा
ओ सांवरे सांवरे ओ सांवरे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%93-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-atul-srigiri/